



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 167] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 17, 1993/फाल्गुन 26, 1914
No. 167] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 17, 1993/PHALGUNA 26, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be held as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1993

का.भा. 187(ई) :- केन्द्रीय सरकार, सिक्का-निर्माण अधिनियम, 1906 (1906
का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह अध्यादेशित करती है कि :-

(क) केन्द्रीय सरकार के प्राधिकारी के अधीन जारी किए जाने के लिए पांच रुपए
अंकित मूल्य के सिक्के भी टुकसालों में डाले जाएंगे;

(ख) उपरोक्त अंकित मूल्य के सिक्के निम्नलिखित विमा, डिजाइन और संरचना के अनुरूप होंगे, अर्थात्:—

सिक्के का अंकित मूल्य	आकार और वाह्य व्यास	दांताओं की संख्या	धातु संरचना
पाँच रुपए	वृत्ताकार	100	तांबा—निकल
	23 मिली मीटर	सुरक्षा किनारे	तांबा—75 प्रतिशत निकल—25 प्रतिशत

डिजाइन :

मुख भाग : सिक्के के इस भाग पर अशोक स्तम्भ का सिंह शीर्ष होगा, जिसके नीचे "सत्यमेव जयते" सारवाक्य अंकित होगा, बाईं ओर ऊपरी परिधि के पार्श्व में हिन्दी में "भारत" शब्द और बाईं ओर ऊपरी परिधि के पार्श्व में अंग्रेजी में "INDIA" शब्द अंकित होंगे। सिक्के की परिधि में 52 बिंदुएं होंगी।

पृष्ठ भाग : सिक्के के इस भाग पर अंतरराष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य '5' होगा, बाईं ओर दाईं परिधि के पार्श्व में पुष्पीय डिजाइन होगा। ऊपरी परिधि में हिन्दी में "रुपये" शब्द और निचली परिधि में अंग्रेजी में "RUPEES" शब्द भी होगा और निचली परिधि के निचले भाग में अंतरराष्ट्रीय अंकों में ढालने का वक्ता भी दर्शाया जाएगा। सिक्के की परिधि में 52 बिंदुएं होंगी।

सुरक्षा किनारा : सिक्के के किनारे को दवानेदार या लम्ब रेखांकन और सुरक्षा किनारे सहित गहरीदार किया जाएगा। किनारे के मध्य में खाली स्थान द्वारा पृथक् किए गए इसके दो खंडों के भीतर एक डिजाइन सहित एक उथला शाङ्ग होगा। इस डिजाइन में उभरी हुई बिंदुओं की शृंखला होगी और प्रत्येक बिन्दु के बाद उभरी हुई एक क्षत रेखा होगी। उसमें 30 रेखाएं और 30 गोले होंगे।

[फा. सं. 1/27/92-सिक्के 11 (2)]

जी.एम. ग्रेवाल, प्रार. सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th March, 1993

S.O. 187(E) —In exercise of the powers conferred by section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby determines that—

- (a) the coins of the denomination of Five Rupees shall also be coined at the Mints for issue under the authority of the Central Government;
- (b) the coins of the above denomination shall conform to the following dimension, design and composition, namely:—

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	No of serrations	Metal Composition
Five Rupees	Circular 23 millimetre	100 security edge	Cupro-Nickel Copper-75% Nickel-25%

DESIGN:

OBVERSE : This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar with the legend “सत्यमेव जयते” inscribed below, flanked on the left upper periphery with the word “भारत” in Hindi and on the right upper periphery with the word “INDIA” in English. There shall be 52 beads on the periphery of the coin.

REVERSE : This face of the coin shall bear denominational value ‘5’ in the international numerals flanked on the left and right periphery with the floral design. The upper periphery shall also bear the word “रुपये” in Hindi and the lower periphery the word “RUPEES” in English and the year of minting in international numerals shall also be shown underneath on the lower periphery. There shall be 52 beads on the periphery of the coin.

SECURITY EDGING : The edge of the coin shall be milled with a serrated or upright milling and security edge. In the centre of the edge there shall be a shallow groove with a design inside its two sections separated by blank space. This design shall consist of chain of beads in relief and each bead being followed by one inclined line in relief. There shall be 30 lines and 30 balls.

[F.No. 1/27/92-Coin-II-(2)]

G.S. GREWAL, Under Secy.

